This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | |2|0|1|1|9|

S. No. of Question Paper : **2534** (29)

Unique Paper Code : **12131301** **JC**

Name of the Paper : **Classical Sanskrit Literature (Drama)**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit -CBCS**

Semester : **III**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19 ★

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 3×4=12

Translate the following :

(क) परिहरतु भवान् नृपापवादं, न परुषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम्।
नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते, वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति।

अथवा/*Or*

प्रच्छाद्य राजमहिषीं नृपतेहितार्थं,
कामं मया कृतमिदं हितमित्यवेक्ष्य।
सिद्धेऽपि नाम मम कर्मणि पार्थिवाऽसौ,
किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशंकितं मे॥

(ख) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्व काया,
निष्कम्पचामरशिखा निभृतोर्ध्वकर्णाः।
आत्मोद्धतैरपि रजोभिरलंघनीया,
धावन्त्यमी मृगजवाक्ष मयेव रथ्याः॥

अथवा/*Or*

रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः सरोभिश्छायाद्रुमैर्नियमितार्क-
मयूखतापः।
भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः, शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च
पन्थाः॥

(ग) आस्वादितद्विरदशोणितशोणशोभां,
सन्ह्यारुणामिवकलां शशलाञ्छनस्य।
जृम्भाविदारितमुखस्य मुखात्स्फुरन्ती,
को हेतुमच्छति हरेः परिभूयदंष्ट्राम्॥

अथवा/*Or*

परार्थानुष्ठाने रहयति नृपं स्वार्थपरता
परित्यक्तस्वार्थौ नियतमयथार्थः क्षितिपतिः।
परार्थश्चेत्स्वार्थादमिमतरो हन्त परवान्,
परायन्तः प्रीतेः कथमिव रसं वेत्ति पुरुषः॥

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×6=18

Explain the following with reference to context :

(क) पद्मावती नरपते र्महिषी भवित्री,
दृष्टा विपत्तिरथः यैः प्रथमं प्रदिष्टा।
तत्प्रत्ययात् कृतमिदं न हि,
सिद्धवाक्यान्युत्क्रम्य गच्छति विधिः सुपरीक्षितानि॥

अथवा/*Or*

सम्बन्धिराज्यमिदमेत्य महान प्रहर्षः,
स्मृत्वा पुनर्नृपसुतानिधनं विषादः।
किं नाम दैव ! भवता न कृतं यदि
स्यात् राज्यं परैरपहृतं कुशलं च देव्याः॥

(ख) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं,
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी,
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

अथवा/*Or*

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे,

विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला।

तनयमचिरात्प्राचीवार्कं प्रसूय च पावन,

मम विरहजां न त्वं वत्से शुचं गणयिष्यसि ॥

(ग) इष्टात्मजः सपदि सान्वय एव देवः,

शाद्वूलपोतमिव यं परिपोष्य नष्टः।

तस्यैव बुद्धिविशिखेन भिनद्मि

मर्म वर्मीमवेद्यदि न दैवमदृश्यरूपम्॥

अथवा/*Or*

यो नन्दमौर्यनृपयोः परिभूय लोकम्,

अस्तोदयौ प्रतिदिशन्नविभिन्नकालम्।

पर्यायपातितहिमोष्णमसर्वगामि,

धाम्नातिशाययति धाम सहस्रधाम्नः।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

Explain any *one* of the following in Sanskrit :

स्वयमाहृत्य भुंजानाबलिनोऽपि स्वभावतः।

गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायःसीदन्ति दुखिताः।।

अथवा/*Or*

मानुषीषु कथं वा स्यादस्य रूपस्य संभवः।

न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्।।

अथवा/*Or*

प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते।

भर्तृदाराभिलाषित्वादस्यां मे महती स्वता।। 1×7=7

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

प्रस्तावना, नटी, विदूषक, कञ्चुकी। 2×4=8

5. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के आधार पर तत्कालीन सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए। 15

Discuss the social issues on the base of 'Swapnvasadattam'.

अथवा/*Or*

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अंक का महत्त्व बताइए।

Bring out the importance of the fourth act of 'Abhijyanshakuntalam'.

अथवा/*Or*

'मुद्राराक्षस' नाटक के आधार पर 'विशाखदत्त' की नाट्यशैली की विवेचना कीजिए।

Discuss the Dramatic style of 'Vishakhadatta' on the basis of 'Mudrarakshasa'.

6. संस्कृत नाटकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 15

Discuss the nature of Sanskrit drama.

अथवा/*Or*

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

भवभूति, श्रीहर्ष, शूद्रक, भट्टनारायण।

This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 9 |

S. No. of Question Paper : **2535** (30)

Unique Paper Code : **12131302** **JC**

Name of the Paper : **Poetics and Literary Criticism**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit—CBCS**

Semester : **III**

DESHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Attempt *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. संस्कृत साहित्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 10

Give a brief introduction to Sanskrit Poetics.

अथवा/(*Or*)

मम्मट के काव्यलक्षण की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the definition of काव्यलक्षण by Mammata.

2. कथा और आख्यायिका का लक्षण देते हुए दोनों का अन्तर समझाइए। 10

Define कथा and आख्यायिका and identify the differences between the two.

अथवा/(*Or*)

साहित्यदर्पण के अनुसार महाकाव्य का परिचय दीजिए।

Introduce the genre of Mahākāvya according to Sāhityadarpana.

3. दृश्यकाव्य तथा श्रव्यकाव्य का अन्तर समझाइये तथा इनके भेदों पर निबन्ध लिखिए। 10

Explain the defference between Dṛsyakāvya and Sravyakāvya and write an essay on their types.

अथवा/(*Or*)

किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any *two* :

(*i*) काव्यप्रयोजन

(*ii*) चम्पू

(*iii*) काव्यहेतु

(*iv*) नाटक

4. काव्य में शब्दशक्तियों के महत्व पर प्रकाश डालिए। 8

Throw light on the importance of Sabdasakti in Poetry.

अथवा/(*Or*)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) अभिधा

(*ii*) लक्षणा

(*iii*) व्यञ्जना

(*iv*) तात्पर्यार्थ

5. भरत के रससूत्र की भट्टनायककृत व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए। 11

Evaluate of Bhattanayaka's explanation of Bharata's Rasasutra.

अथवा/(*Or*)

रस की अलौकिकता पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the transcendental nature (Alaukikata) of Rasa.

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए : 2×5=10

Define with examples any *two* of the following figures of speech :

यमक, उपमा, अनुप्रास, दीपक, उत्प्रेक्षा

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम निर्देश कीजिए : 2×3=6

Identify the figures of speech in any *two* of the following verses and show the application of their definitions :

(*i*) प्रतिकूलतामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता।
अवलम्बनाय दिनभर्तुरभून्न पतिष्यतः करसहस्रमपि॥

(*ii*) आहवे जगदुद्दण्डराजमण्डलराहवे।
श्रीनृसिंह महीपाल स्वस्त्यस्तु तव बाहवे॥

(*iii*) नेदं नभोमण्डलमम्बुराशिर्नैताश्चतारा नवफेनभङ्गाः।
नायं शशी कुण्डलितः फणीन्द्रो नासौ कलङ्कः शयितो मुरारी॥

(*iv*) बृहत्सहायः कार्यान्तं क्षोदीयानपि गच्छति।
सम्भूयाम्भोधिमभ्येति महानद्या नगापगा॥

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देशपूर्वक उदाहरण दीजिए : 2×3=6

Define and illustrate any *two* of the following metres :

इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, मालिनी

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइये : 2×2=4

Scan and name the meters in any *two* of the following :

(*i*) आपरितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥

(*ii*) त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं मम देवदेवः॥

(*iii*) वागार्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

(*iv*) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥

This question paper contains 4 printed pages]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Roll No. | | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 9 |

31

S. No. of Question Paper : **2536**

Unique Paper Code : **12131303** **JC**

Name of the Paper : **Indian Social Institutions and Polity**

Name of the Course : **B.A. (Hons) Sanskrit Core (CBCS)**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग—'क' (Section A)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. धर्म का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके भेदोपभेदों का वर्णन कीजिए।

3×15=45

Discuss the nature of Dharma and its various types.

2. भारतीय सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख स्रोतों का वर्णन कीजिए।

Discuss the main sources of Indian Social Institutions.

3. वर्णाश्रम व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

Discuss the Varnashrama System.

4. वराहमिहिर के द्वारा किये गये नारी प्रशस्ति का वर्णन कीजिए।

Discuss the praise of women by Varahamihira.

5. वैदिक ग्रन्थों के अनुसार **सभा और समिति का** परिचय देते हुए इनके बीच अन्तर स्पष्ट **कीजिए।**

Introduce the institutions Sabha and Samiti according to Vedic texts. How are they different from each other ?

6. कौटिलीय अर्थशास्त्र के अनुसार कल्याणकारी राजव्यवस्था की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

Discuss the concept of Welfare State, according to Kautilya's Arthasastra.

7. सत्याग्रह दर्शन के विशेष संदर्भ में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।

Discuss the relevance of Gandhian thought with special reference to Satyagraha Philosophy.

भाग—'ख' (Section B)

2×7=14

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए :

Write notes on any *two* of the following :

(क) सप्ताङ्ग सिद्धान्त (Principle of Saptanga)

(ख) षाड्गुण्य (Sadgunya)

(ग) मनु (Manu)

(घ) सोमदेव सूरि (Somadeva Suri)।

भाग—'ख' (Section B) 2×8

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की व्याख्या कीजिए

Explain any *two* of the following verses : 2X8=16

(क) श्रुतिः स्मृतिः सदाचारः स्वस्य च प्रियमात्मनः।
एतच्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम्।।

(ख) चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः।
तस्य कर्तारमपि मां विद्ध्यकर्तारमव्ययम्।।

(ग) अराजके हि लोकेऽस्मिन्सर्वतो विद्रुते भयात्।
रक्षार्थमस्य सर्वस्य राजानमसृजत्प्रभुः।।

(घ) रक्षणं सर्वभूतानामिति क्षात्रं परं मतम्।
तद् यथा रक्षणं कुर्यात् तथा शृणु महीपते।।